बच्चे को साथ रखने से किया इंकार

दुष्कर्म पीड़ित 16 वर्षीय किशोरी को मिली गर्भपात की अनुमति

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने दुष्कर्म पीडित 16 वर्षीय किशोरी को गर्भपात की अनुमति प्रदान की है। मेडिकल रिपोर्ट के अनुसार पीडित 26 सप्ताह की गर्भवती है। न्यायमूर्ति देवनारायण मिश्रा की सिंगल बेंच ने अपने आदेश में कहा कि पीड़ति और उसके माता-पिता बच्चे के जीवित पैदा होने पर उसे साथ रखने के लिए तैयार नहीं हैं, तो उसे जन्म की तारीख से 15 दिन बाद राज्य अधिकारियों या सीडब्ल्यूसी को सौंप सकते हैं।

सरकार की ओर से कोर्ट को बताया गया कि पीडित के पिता ने एडिशनल सेशंस जज शहडोल के सामने प्रेग्नेंसी खत्म करने के लिए आवेदन किया है। पीड़ति रेप पीडित है और पिता प्रेग्नेंसी खत्म करना चाहते हैं। हाई कोर्ट ने याचिका की सुनवाई करते हुए पीडित की मेडिकल जांच रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए थे। मेडिकल बोर्ड की तरफ से पेश की गई रिपोर्ट में बताया गया कि पीड़ित 26 हफ्ते की प्रेग्नेंट है और उसे खत्म की जा सकती है। यह रिपोर्ट सात डाक्टरों की एक टीम द्वारा जांच और डायग्नोसिस के बाद दी गई है, जिसमें दो गाइनेकोलाजिस्ट है। परिवार व पीड़िता को गर्भपात के दौरान होने वाले खतरे के संबंध में जानकारी दी

गयी है। परिवार तथा पीड़ित प्रेगनेंसी खत्म करने के लिए सहमति दी है। मेडिकल आफिसर ने ब्लड की सोनोग्राफी और डायग्नोसिस रिपोर्ट और दूसरी संबंधित जांच की है। राज्य के की ओर से अनुमति मांगी गयी कि हास्पिटल को रेप पीडित की प्रेगनेंसी खत्म करने का निर्देश दिया जाए। कोर्ट ने पीड़ति की प्रेग्नेंसी को खत्म करने की इजाजत देते हुए अपने आदेश में कहा है कि पीड़ति अपने माता-पिता के साथ जल्द से जल्द मेडिकल बोर्ड द्वारा तय समय पर अस्पताल में उपस्थित रहें। डाक्टरों की एक स्पेशल टीम प्रेग्नेंसी को खत्म करने के बारे में फैसला लेते हुए जल्द से जल्द उसे समाप्त करें। पूरी कार्यवाही डाक्टरों की एक्सपर्ट टीम की मौजूदगी में किया जाएगा। प्रेग्नेंसी खत्म करते समय डाक्टर पूरी सावधानी बरतेंगे और पीड़ति को सभी मेडिकल सुविधा प्रदान की जाए। बच्चा जिंदा पैदा होता है, तो उसकी देखभाल करना राज्य सरकार की ड्यूटी होगी। डाक्टर यह सुनिश्चित करें की भ्रूण या बच्चे का एक सैंपल जांच के लिए सुरक्षित रखा जाए और आरोपी पर आगे की जांच और मुकदमा चलाने के लिए तुरंत जांच अधिकारी को सौंप दिया जाए। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा है कि यह भी साफ़ किया जाता है कि अगर पीड़ति और उसके माता-पिता ज़दिा पैदा हुए बच्चे को रखने के लिए तैयार नहीं हैं, तो वे बच्चे को उसके जन्म की तारीख से 15 दिन बाद राज्य अधिकारियों या सीडब्ल्यूसी को सौंप सकते हैं। बच्चा जिंदा पैदा होता है तो वह 15 दिन तक मां के पास रहेगा। जुवेनाइल केयर एंड प्रोटेक्शन एक्ट और राज्य या केंद्र सरकार द्वारा इस संबंध में बनाए गए नियमों और दूसरी गाइडलाइंस के अनुसार बच्चे को किसी भी इच्छुक परिवार को गोद देने के लिए स्वतंत्र होगी।

सराफा प्रीमियर लीग का फाइनल आज

ओशो गोल्ड योद्धा और 24 कैरेट शेखर राजा आमने-सामने

जबलपुर। सराफा प्रीमियर लीग के फाइनल मुकाबले में आज ओशो गोल्ड योद्धा इलेवन और 24 कैरेट शेखर राजा की टीम खिताब के लिए आमने-सामने होंगी। यह रोमांचक मुकाबला रानीताल खेल परिसर स्थित वेलोड्रम मैदान पर खेला जा रहा है, जहां बड़ी संख्या में दर्शक मौजूद हैं। मैच से पहले दोनों टीमों का लाइन-अप कर राष्ट्रीय गान हुआ, जिसके बाद रंगारंग कार्यक्रमों और आतिशबाजी से माहौल और भी उत्साहपूर्ण बन गया। सेमीफाइनल में जीत दर्ज कर फाइनल में पहुंची दोनों टीमों ने शानदार प्रदर्शन किया है। पूरे टूर्नामेंट में खिलाड़ियों ने बेहतरीन खेल, अनुशासन और टीम भावना का परिचय दिया। इस अवसर पर सभी 18 टीमों के खिलाड़ियों को प्रशस्ति पत्र एवं मेडल देकर सम्मानित किया गया। साथ ही प्रायोजकों और मुख्य प्रायोजकों को भी ट्रॉफी प्रदान की गई।आयोजन समिति में मध्यप्रदेश सराफा एसोसिएशन अध्यक्ष राजा सराफ, पूर्व अध्यक्ष सुरेश सराफ, जबलपुर सराफा एसोसिएशन अध्यक्ष नवीन सराफ सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित रहे।

निगमायुक्त का चार संभागों का सघन निरीक्षण

सफाई व जलापूर्ति व्यवस्था की सराहना की

जबलपुर। निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने सुबह से 10 बजे तक शहर के चार संभागों के विभिन्न वार्डों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सफाई, जलापूर्ति, प्रकाश व्यवस्था तथा वर्षा पूर्व नाला-नालियों की सफाई का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त ने भानतलैया, मंडी मदार टेकरी, कुलिहिल टैंक एवं परियट जलाशय का भ्रमण कर जलापूर्ति व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गर्मी के दौरान नागरिकों को पर्याप्त एवं शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जाए तथा जल शोधन संयंत्रों और पंपिंग स्टेशनों का सुचारू संचालन सुनिश्चित किया जाए।

सफाई व्यवस्था और स्ट्रीट लाइट की स्थिति को बेहतर पाए जाने पर उन्होंने संतोष व्यक्त किया

तथा सफाई कर्मियों के कार्य की सराहना की। उन्होंने स्वास्थ्य अमले को नियमित रूप से फील्ड पर उतरकर मॉनिटरिंग करने के निर्देश भी दिए। निगरानी के दौरान निगमायुक्त ने कहा कि वर्तमान स्तर को बनाए रखने के साथ-साथ इसमें निरंतर सुधार आवश्यक है, ताकि नागरिकों को और बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

रिछाई पुल के नीचे छिपाकर गुलशन बेच रहा था अवैध शराब

जबलपुर। अधारताल अतंर्गत रिछाई पुल के नीचे एक बोरी में देशी शराब के पाव छिपाकर बेचने वाले शराब तस्कर को पुलिस ने गिरफ्तार कर उसके पास से 318 पाव देशी शराब जब्त की है।अधारताल थाना प्रभारी प्रवीण कुमरे ने बताया कि गत रात मुखबिर की सूचना पर पानी की टंकी के पास ग्राम खैरी अधारताल निवासी 24 वर्षीय गुलशन चक्रवर्ती को गिरफ्तार किया गया, पूछताछ में उसने बताया कि शराब के पाव बोरी में भरकर पुल के नीचे छिपाकर रखे है। पुलिस ने रिछाई पुल के नीचे शराब की बोरी जब्त की जिसमें 318 पाव देशी शराब निकली, जिसकी कीमत लगभग 23 हजार 850 रुपए की बताई गई है। आरोपी गुलशन चक्रवर्ती के विरुद्ध मारपीट, सट्टा आदि के पूर्व से 26 अपराध पंजीबद्ध है। पुलिस ने आरोपी विरूद्ध धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही की गई।

बीमा कम्पनी को देना होगा दुर्घटनाग्रस्त वाहन के सुधार का संपूर्ण बिल

जिला उपभोक्ता आयोग ने मनमाने आंशिक भुगतान को माना सेवा में कमी

जबलपुर। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण आयोग, जबलपुर ने बीमा कंपनी को दुर्घटना में क्षतिग्रस्त वाहन के सुधार की संपूर्ण बिल राशि अदा करने के आदेश दिए हैं।अध्यक्ष पंकज यादव, सदस्य अमित सिंह तिवारी व सोनल पांडित ने कंपनी को सेवा में कमी का दोषी माना। कृष्णा कालोनी सुहागी निवासी विजय सोनी ने अपने वाहन एमपी 20 सीएच 9620 की बीमा पालिसी अनावेदक यूनाईटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड से ली थी, जो एक जनवरी, 2023 से 31 दिसम्बर 2023 अवधि के लिए थी। 22 जून 2023 को वाहन विद्युत पोल से टकराकर क्षतिग्रस्त हो गया, जिसे सुधार के लिए ले जाकर सर्वे रिपोर्ट प्रस्तुत की थी। बीमा कंपनी द्वारा लॉस एसेसर के आधार पर परिवादी को 65 हजार 999 रूपए का भुगतान किया गया, जबकि सप्लीमेंट्री बिल मिलाकर कुल राशि 1 लाख 40 रूपए परिवादी द्वारा वाहन के सुधार कार्य के लिए भुगतान किया गया था। आयोग ने पाया कि बीमा कंपनी द्वारा मनमाने ढंग से परिवादी को सप्लीमेंट्री बिल राशि का भुगतान करने से इंकार कर सेवा में कमी की गई है। आयोग ने आदेशित किया है कि 60 दिवस में साल्वेज का निराकरण कर सप्लीमेंटी बिल में उल्लेखित पाट्र्स की राशि का भुगतान 7 प्रतिशत वार्षिक ब्याज के साथ करे। मानसिक कष्ट के लिए 10 हजार व परिवाद व्यय 2 हजार भी अदा करे।

कैट ने किया जेडीए अध्यक्ष-उपाध्यक्ष का स्वागत

शहर विकास में सहयोग का दिया आश्वासन

जबलपुर। मेट्रो हॉस्पिटल में आयोजित सम्मान समारोह में कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) द्वारा जबलपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) के अध्यक्ष संदीप जैन एवं उपाध्यक्ष प्रशांत केशरवानी का पुष्पमालाओं से स्वागत किया गया।

कार्यक्रम में व्यापारिक संगठनों के पदाधिकारियों ने शहर विकास एवं व्यापारी हितों को लेकर जेडीए के साथ मिलकर कार्य करने का भरोसा दिलाया। कैट पदाधिकारियों

ने कहा कि व्यापारी वर्ग की समस्याओं के समाधान और शहर के व्यवस्थित विकास के लिए संस्था हरसंभव सहयोग करेगी। जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन एवं उपाध्यक्ष प्रशांत केशरवानी ने कहा कि व्यापारियों की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जाएगा तथा शहर विकास कार्यों को गति देने के लिए निरंतर समन्वय बनाया जाएगा। इस अवसर पर कैट के प्रदेश उपाध्यक्ष जितेंद्र पचौरी, संभागीय अध्यक्ष दीपक सेठी, जिला अध्यक्ष राजीव बड़ेरिया, सचिव संजय चड्ढा सहित बड़ी संख्या में व्यापारी एवं विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

आवारा श्वानों की बढ़ती संख्या ने खोली सिस्टम की पोल

हर महीने 28 सौ लोग डॉग बाईट का शिकार

जबलपुर। शहर में आवारा श्वानों की लगातार बढ़ती संख्या अब प्रशासन और नगर निगम की व्यवस्थाओं पर बड़ा सवाल खड़ा कर रही है। करोड़ों रुपये खर्च कर चलाए जा रहे नसबंदी और डॉग कैचिंग अभियान के बावजूद हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। शहर में करीब 50 हजार से अधिक आवारा कुत्तों की मौजूदगी बताई जा रही है, जबकि हर महीने लगभग 2800 लोग डॉग बाइट का शिकार हो रहे हैं। ऐसे में अब यह सवाल उठने लगा है कि आखिर नसबंदी और पकड़ने की योजनाएं जमीन पर कितनी प्रभावी साबित हुई हैं। स्थिति इतनी गंभीर हो चुकी है कि शहर के अस्पतालों में रोजाना 250 से ज्यादा डॉग बाइट के मरीज पहुंच रहे हैं। जिला अस्पताल में प्रतिदिन करीब 125 मामले सामने आ रहे हैं, जबकि संजीवनी अस्पताल में लगभग 50

और मेडिकल अस्पताल में 80 तक मरीज रोज पहुंच रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़े भी लगातार बढ़ते खतरे की पुष्टि कर रहे हैं।

स्कूल, कॉलोनियां और बाजार बने खतरे के क्षेत्र

शहर के कई रिहायशी इलाकों, कॉलोनियों, बाजारों और स्कूलों के आसपास आवारा श्वानों के झुंड खुलेआम घूमते दिखाई दे रहे हैं। सुबह और शाम के समय स्थिति और भयावह हो जाती है। बच्चों को स्कूल भेजने में अभिभावकों को डर लग रहा है, जबकि महिलाएं और बुजुर्ग भी इन हमलों का शिकार हो रहे हैं। राहगीरों और बाइक सवारों पर अचानक हमला करने की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। कई क्षेत्रों में श्वानों के झुंड वाहन चालकों का पीछा करते हैं, जिससे सड़क दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ गया है। लोगों का कहना है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद निगम की टीमें समय पर नहीं पहुंचतीं।

पकड़ने वाली टीमों के सामने भी चुनौती

नगर निगम द्वारा समय-समय पर डॉग कैचिंग अभियान चलाने के दावे किए जाते हैं, लेकिन जमीनी स्थिति कुछ और ही कहानी बयां कर रही है। जानवरों को पकड़ने वाली टीमें भी श्वानों की बढ़ती संख्या के सामने बेबस नजर आ रही हैं। कई इलाकों में स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया है कि श्वानों को पकड़ने के बाद दोबारा उसी क्षेत्र में छोड़ दिया जाता है, जिससे समस्या फिर जस की तस बनी रहती है।सूत्रों के अनुसार नसबंदी अभियान की गति भी बेहद धीमी है। शहर की तुलना में नसबंदी किए गए ।

ईदगाहों और मस्जिदों में अदा की गई ईद-उल-अजहा की नमाज

"क़ुर्बानी सिर्फ अल्लाह की रज़ा के लिए हो": नायब मुफ़्ती-ए-आज़म

जबलपुर।

मुस्लिम धर्मावलंबियों का प्रमुख पर्व ईद-उल-अज़हा (बकरीद) गुरुवार को शहर भर में अक़ीदत, उल्लास और शालीनता के साथ मनाया गया। शहर की विभिन्न ईदगाहों और मस्जिदों में हज़ारों मुस्लिम बंधुओं ने ईद-उल-अज़हा की नमाज अदा की। ईदगाह कलां रानीताल में नायब मुफ़्ती-ए-आज़म मध्यप्रदेश हज़रत मौलाना सूफ़ी ज़ियाउलहक़ क़ादरी ने विशाल जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि ईद-उल-अज़हा के दिन सबसे पसंदीदा अमल अल्लाह की राह में क़ुर्बानी पेश करना है। उन्होंने कहा कि क़ुर्बानी की नियत केवल अल्लाह की रज़ा और उसकी ख़ुशनूदी हासिल करना होना चाहिए।

मौलाना साहब ने फरमाया कि क़ुर्बानी का सिलसिला इंसान के वजूद के साथ चला आ रहा है, लेकिन ईद-उल-अज़हा की क़ुर्बानी सुन्नत-ए-इब्राहीमी है, जिसे हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम की याद में अदा किया जाता है। उन्होंने लोगों को नसीहत करते हुए कहा कि अगर कोई व्यक्ति सिर्फ गोश्त हासिल करने की नियत से क़ुर्बानी करता है तो ऐसी क़ुर्बानी जाया होगी और अल्लाह की

बारगाह में कुबूल नहीं होगी। कुरआन शरीफ़ का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि "अल्लाह तक न उनका गोश्त पहुँचता है और न उनका खून, बल्कि तुम्हारा तक़वा और परहेज़गारी पहुँचती है।" मौलाना सूफ़ी ज़ियाउल हक़ कादरी बुरहानी ने मौजूदा हालात को देखते हुए लोगों से अपील की कि कुर्बानी के फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट न करें। उन्होंने कहा कि कुर्बानी दिखावे के लिए नहीं, बल्कि केवल अल्लाह की रज़ा के लिए की जानी चाहिए। तकरीर के बाद मौलाना साहब ने ईद-उल-अज़हा की नमाज अदा कराई।इस मौके पर इमाम अहले सुन्नत आला हजरत इमाम अहमद रज़ा खां के नवासे भी नमाज में शरीक हुए, "अल्लाह-हू-अकबर" की सदाओं के बीच हजारों सिर सजदे में झुक गए। नमाज के बाद ईद-उल-अज़हा का खुत्बा पढ़ा गया। अंत में मुफ़्ती-ए-आज़म मध्यप्रदेश हजरत मौलाना डॉक्टर मुशाहिद रज़ा कादरी ने मुल्क की तरक़्क़ी, अमन और खुशहाली के लिए ख़ास दुआ की।

मुबारकबाद और भाईचारे का माहौल

नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे के गले मिलकर ईद-उल-अज़हा की मुबारकबाद दी। ईदगाहों के बाहर विधायक लखन घनघोरिया, कांग्रेस नेता अमरीश मिश्रा, मनोज नामदेव सहित अन्य, जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों ने मुस्लिम समाज को शुभकामनाएँ दीं।

शहर की प्रमुख ईदगाहों में नमाज़ अदा

मोमिन ईदगाह गोहलपुर में सुबह 8:30 बजे हाफ़िज मुहम्मद ताहिर साहब ने नमाज़ अदा कराई। नमाज़ियों की भारी भीड़ के कारण मुख्य सड़क और उर्दू स्कूल मैदान तक लंबी कतारें देखने को मिलीं। ईदगाह सदर बाजार में सुबह 8:30 बजे मौलाना सुल्तान अहमद साहब की इमामत में नमाज़ अदा की गई। यहाँ सुरक्षा संस्थानों, सेना इकाइयों में कार्यरत मुस्लिम अधिकारी-कर्मचारियों तथा रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के मुस्लिम छात्रों ने भी नमाज़ पढ़ी। गढ़ा ईदगाह में सुबह 9:45 बजे हाफिज काज़ी अमीर अशरफ़ हुसैनी मियां ने नमाज़ अदा कराई। यहाँ नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल कॉलेज के मुस्लिम कर्मचारी एवं छात्राएँ भी बड़ी संख्या में शामिल हुए। आगा मोहम्मद साहब की दरगाह में सुबह 10:30 बजे सुल्तान अहमद क़ादरी साहब की इमामत में नमाज़ अदा की गई। वहीं शिया जामा मस्जिद ज़ाकिर अली फूटाताल में सुबह 9:30 बजे मौलाना हैदर मेहदी साहब की कयादत में नमाज़ हुई।

बकरों की दी गई कुर्बानियाँ

ईद-उल-अज़हा के अवसर पर सक्षम मुस्लिम परिवारों ने सुन्नत-ए-इब्राहीमी की याद में बकरों की कुर्बानी पेश की। मुस्लिम बहुल इलाकों में दिनभर चहल-पहल और खुशी का माहौल बना रहा। बच्चों और बड़ों ने मेलों एवं झूलों का आनंद लिया। वहीं रात तक दावतों और मुबारकबाद का सिलसिला जारी रहा।

मुस्लिम इस्लाह कमेटी ने जताया आभार

ईद-उल-अज़हा का पर्व भाईचारे और शालीनता के साथ सम्पन्न होने पर मुस्लिम इस्लाह कमेटी के हाजी क़दीर सोनी,सरदार हामिद हुसैन, हाजी मक़बूल अहमद रज़वी, हाजी शेख जमील नियाज़ी, पप्पू वसीम खान, मतीन अंसारी, हाजी मुईन खान, जमा खान, बाबा रिजवान, अमीन कुरैशी, प्यारे साहब, मुबारक क़ादरी, सैयद क़ादिर अली क़ादरी, हाजी तौसीफ रज़ा, अकबर खान सरवर, याकूब अंसारी, नियाज मंसूरी, हाजी हामिद मंसूरी, शमीम अंसारी गुड्डू, अशरफ मंसूरी, शाकिर क़ुरैशी, सैयद शौकत अली, जवाहिर कादरी, एजाज़ उस्मानी आदि ने जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन एवं संस्कारधानी वासियों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

बरेला में मनाई गई ईद-उल-अहजा

बरेला। नगर में ईद-उल-अहजा का त्योहार बड़े ही हर्षोल्लास और भाईचारे के साथ मनाया गया। अहले सुन्नत जामा मस्जिद में बड़ी संख्या में लोगों ने नमाज अदा की। इस मौके पर मौलाना अरमान रजा ने देश में अमन-चैन, खुशहाली और आपसी भाईचारे की दुआ मांगी। नमाज के बाद सभी ने एक-दूसरे से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी और प्रेम व सौहार्द का संदेश साझा किया। बच्चों और युवाओं में उत्साह देखने को मिला। इस अवसर पर मस्जिद कमेटी अध्यक्ष अहमद मोहम्मद, मंडलम अध्यक्ष शेख सलीम, शानू रेहान अली, शेख मुन्ना सद्दाम, अहमद खान, सत्तार खान, गफ्फार खान, शाहिद टोले खान, शाकिर खान, शेख अब्बास, शेख नवाब, सलीम ठेकेदार, शेख साजिद, शेख वाहिद, निसार खान, सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

पाटन में सौहार्द और उत्साह के साथ मनाई गई ईद-उल-अजहा

पाटन। ईद-उल-अजहा का पर्व नगर में उत्साह, भाईचारे और अमन-चैन के माहौल में मनाया गया। इस्लामी मान्यताओं के अनुसार हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम द्वारा अल्लाह के हुक्म पर अपने पुत्र हज़रत इस्माईल अलैहिस्सलाम को कुर्बानी के लिए प्रस्तुत करने की याद में मुस्लिम समाज यह पर्व मनाता है। बाजार स्थित ईदगाह में सुबह 8:30 बजे बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग एकत्र हुए। मुफ्ती साहब द्वारा नमाज अदा कराई गई।

देवी अहिल्याबाई जयंती समारोह का आयोजन आज

जबलपुर। मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग एवं जिला प्रशासन जबलपुर के सहयोग से 29 मई, को मानस भवन प्रेक्षागृह, राइट टाउन में देवी अहिल्याबाई जयंती समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम सायं 6:30 बजे प्रारंभ हुआ और इसमें प्रवेश निःशुल्क रखा गया। आयुक्त, संस्कृति संचालनालय मदन बिभीषण नागरगोजे ने बताया कि यह आयोजन देवी अहिल्याबाई होल्कर के आदर्शों, लोककल्याणकारी कार्यों और भारतीय संस्कृति के संरक्षण में उनके योगदान को जन-जन तक पहुँचाने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि देवी अहिल्याबाई का मध्यप्रदेश से जुड़ाव राज्य के लिए गौरव का विषय है। समारोह में देवी अहिल्याबाई के जीवन और उनके लोककल्याणकारी कार्यों पर आधारित नृत्य नाटिका प्रस्तुत की गई। इस नाटिका का संकल्पना एवं निर्देशन डॉ. संध्या पुरेचा ने किया, पार्श्व स्वर हरीश भिमानी के हैं, संगीत अजित परब का है और नृत्य निर्देशन सुभाष नकाशे ने किया। यह समारोह देवी अहिल्याबाई होल्कर के 300वें जन्मोत्सव समापन वर्ष के अवसर पर आयोजित किया गया है। भारत सरकार द्वारा पिछले वर्ष से चल रहे 18 महीने के उत्सव के अंतर्गत उनके योगदानों को विभिन्न सांस्कृतिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक गतिविधियों के माध्यम से आम जन तक पहुँचाया गया है।

दो चोरियों का पुलिस ने किया खुलासा, तीन आरोपी गिरफ्तार

पाटन। पाटन थाना अंतर्गत हुई दो चोरियों का पुलिस ने खुलासा कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी गोपेंद्र सिंह राजपूत ने बताया कि आरोपियों के कब्जे से चोरी किए गए सोने-चांदी के जेवर (लगभग ₹1,25,000) और नगद ₹25,000 जप्त किए गए हैं। गिरफ्तार आरोपी हैं: सौरभ रजक (चौधरी मोहल्ला), गोलू उर्फ तुलसीराम पटेल (चौधरी मोहल्ला) और बबलू उर्फ शैलेंद्र सोनी (चौपाटी वार्ड)। पुलिस के अनुसार, सौरभ रजक चोरी करता था, गोलू पटेल इसे बेचने की कोशिश करता था और बबलू चोरी का सामान खरीदता था। पाटन नगर में चोरी की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए एसडीओ पाटन के नेतृत्व में पुलिस ने गंभीरता से कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया। खुलासे और गिरफ्तारी में थाना प्रभारी गोपेंद्र सिंह राजपूत, उप निरीक्षक जितेंद्र दुबे, भारत सिंह, अरविंद सिंह, आकाशदीप साहू,

प्रधान आरक्षक राम मिलन रजक, सुशील त्रिपाठी, दिनेश विश्वकर्मा, आरक्षक अनुराग, दिनेश मीणा, रामगोपाल और मोहित की अहम भूमिका रही।

श्री सिद्ध महाकाली पीठ में आज से बहेगी श्रीकृष्ण कथा, शोभायात्रा से शुभारंभ

जबलपुर। पाटन रोड रैगवां स्थित श्री सिद्ध महाकाली पीठ मंदिर, सुधा सागर विहार में शुक्रवार से संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ होने जा रहा है। कथा का वाचन कथाव्यास आचार्य पं. सुधीर दुबे शास्त्री (बबलू महाराज) द्वारा प्रतिदिन शाम 5 से रात 8 बजे तक किया जाएगा। कथा की शुरुआत शुक्रवार को कलश शोभायात्रा, बैठकी व महात्म्य कथा के साथ होगी। इसके बाद क्रमशः राजा परीक्षित जन्म (30 मई), प्रहलाद चरित्र (31 मई), समुद्र मंथन व श्रीकृष्ण जन्मोत्सव (1 जून), नंद उत्सव व गोवर्धन पूजन (2 जून) और श्रीकृष्ण-रुक्मणी विवाह (3 जून) प्रसंग मनाए जाएंगे। कथा विश्राम 04 जून को सुदामा चरित्र व परीक्षित मोक्ष के साथ होगा। 5 जून शुक्रवार को दोपहर 01 बजे से हवन व भंडारा प्रसाद का वितरण किया जाएगा।

जबलपुर क्रिकेट क्लब ने जेपी क्लब को 8 विकेट से हराकर सेमीफाइनल में बनाई जगह

जबलपुर।

द्वितीय स्व. श्री सी.एन. सुब्रह्मण्यम स्मृति अंडर-19 बालक वर्ग आमंत्रित चलित ट्रॉफी 2025-26 में पूल-बी के मुकाबले में जबलपुर क्रिकेट क्लब ने जेपी क्लब को 8 विकेट से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए जेपी क्लब ने 33 ओवर में 10 विकेट पर 133 रन बनाए। टीम की ओर से आराध्य शर्मा ने 54 रन, अक्षत ने 22 और आर्यमन सिंह ने 21 रन बनाए। जबलपुर क्रिकेट क्लब की ओर से अमित कुमार ने 4 विकेट, अनुभव सिंह ठाकुर और आदित्य सिंह ठाकुर ने 2-2 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए जबलपुर क्रिकेट क्लब ने 16.4 ओवर में 2 विकेट खोकर 135 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया। अनुभव सिंह ठाकुर ने नाबाद 79 रन की शानदार पारी खेली, जिसमें 13 चौके और 2 छक्के शामिल रहे। शौर्य पचौरी ने 27 रन और अमित कुमार ने नाबाद 19 रन बनाए। मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार जबलपुर क्रिकेट Club के कप्तान अनुभव सिंह ठाकुर को पूर्व क्रिकेटर एवं क्लब अध्यक्ष मनोज सिंह ठाकुर द्वारा प्रदान किया गया। मैच के अंपायर अशोक सिंह और संदीप बर्मन रहे, जबकि स्कोरर सिमरन रहीं। प्रतियोगिता का दूसरा सेमीफाइनल 29 मई को नरसिंहपुर जिला और जबलपुर क्रिकेट क्लब के बीच ओलंपिक ग्राउंड ईस्ट लैंड खमरिया में सुबह 8 बजे से खेला जाएगा।

गढ़ाफाटक में आज निकलेगी श्रीमद् भागवत कथा की भव्य कलश यात्रा

जबलपुर। गढ़ाफाटक स्थित जगदीश मंदिर प्रांगण में 29 मई से 5 जून तक संगीतमय श्रीमद् भागवत पुराण कथा का आयोजन किया जा रहा है। कथा प्रारंभ होने से पूर्व शुक्रवार को शाम 5 बजे भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी। महिला मंडल समिति, पुजारी पंडित सुनील दुबे एवं कथा मार्गदर्शक डॉ. अरुण मिश्रा ने बताया कि कलश यात्रा वृहद महाकाली मंदिर गढ़ाफाटक से प्रारंभ होकर शंकर घी भंडार, पड़ाव एवं दुर्गा चौक होते हुए कथा स्थल जगदीश मंदिर पहुंचेगी। कथा वाचन बाल व्यास सुप्रिया दुबे "कृष्णप्रिया श्रीधाम वृंदावन" द्वारा प्रतिदिन शाम 5 से 8 बजे तक किया जाएगा। 5 जून को हवन, कन्या पूजन, पूर्णाहुति एवं प्रसाद भंडारे के साथ कथा का समापन होगा। मुख्य यजमान उमाशंकर साहू-यशोदा साहू, सावित्री रैकवार, अभिषेक सोनी एवं सुनील साहू सहित आयोजन समिति ने श्रद्धालुओं से अधिक संख्या में शामिल होकर धर्म लाभ लेने की अपील की है।

डॉक्टरों और हेल्थकेयर वर्कर्स की समस्याओं पर भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ ने किया विशेष संवाद

जबलपुर। भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ, जबलपुर द्वारा होटल गुलजार में डॉक्टरों एवं हेल्थकेयर वर्कर्स की समस्याओं, चुनौतियों और स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े विषयों पर विशेष संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के सदस्य एवं पूर्व अध्यक्ष, राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग प्रियंक कानूनगो मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। वहीं भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष योगेंद्र सिंह ठाकुर की विशेष उपस्थिति रही। महानगर संयोजक डॉ. विवेक जैन ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कहा कि डॉक्टरों और हेल्थकेयर वर्कर्स की समस्याओं के समाधान हेतु सार्थक पहल आवश्यक है। प्रदेश सह संयोजक डॉ. अश्विनी कुमार त्रिवेदी एवं डॉ. शुभम राज अवस्थी ने अतिथियों का स्वागत किया तथा प्रियंक कानूनगो को माँ नर्मदा का चित्र स्मृति चिन्ह स्वरूप भेंट किया। अपने संबोधन में प्रियंक कानूनगो ने स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने और डॉक्टर समाज की सुरक्षा, सम्मान एवं सुविधाओं को सुनिश्चित करने पर जोर दिया। संवाद के दौरान डॉक्टरों ने स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़ी विभिन्न समस्याओं और सुझावों पर खुलकर चर्चा की। कार्यक्रम में डॉ. नवीन कोठरी, डॉ. संजय मिश्रा, डॉ. सतेंद्र मिश्रा, डॉ. विनोद तमकार, डॉ. अभिजीत मुखर्जी, डॉ. अभिनव श्रीवास्तव, डॉ. पुष्पराज पटेल सहित बड़ी संख्या में डॉक्टर एवं हेल्थकेयर वर्कर्स उपस्थित रहे।

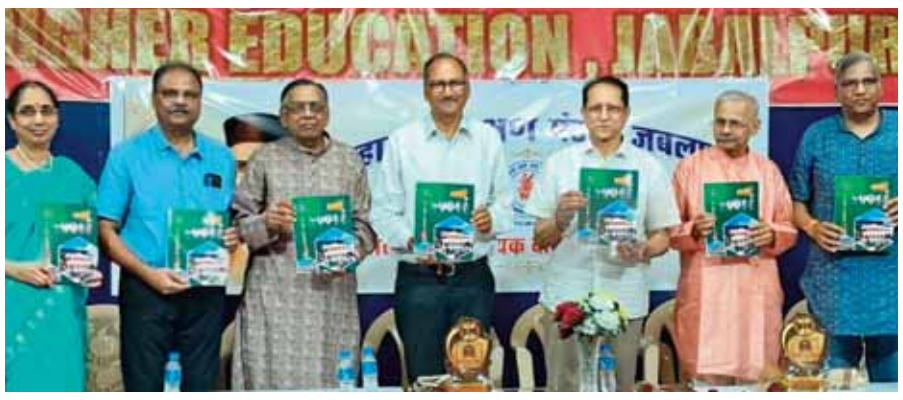

महाराष्ट्र शिक्षण मंडल ने वीर सावरकर जयंती धूमधाम से मनाई

जबलपुर। महाराष्ट्र शिक्षण मंडल, जबलपुर द्वारा गुरुवार को महाकोशल विद्यालय के शताब्दी सभागृह में स्वातंत्र्यवीर विनायक दामोदर सावरकर की जयंती मनाई गई। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन और श्री गणेश एवं माँ सरस्वती की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण से हुई। सुविख्यात गायिका डॉ. नेहा उपाध्ये के निर्देशन में गायक कलाकारों ने वीर सावरकर की रचनाओं पर गीत प्रस्तुत किए। मुख्य अतिथि, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, डिज़ाइन और विनिर्माण संस्थान जबलपुर के निदेशक भारतेंदु कुमार सिंह ने महाराष्ट्र शिक्षण मंडल की शतकीय स्मारिका "शतदीप" (द्वितीय संस्करण) का विमोचन किया और वीर सावरकर के योगदान पर अपने विचार साझा किए। मु ख्य वक्ता सुधीर पाठक ने वीर सावरकर के बहुआयामी व्यक्तित्व और उनके अद्वितीय गुणों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में शिक्षण मंडल के सदस्य, अध्यापक और नगर के प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन अजय भालेराव ने किया और आभार प्रदर्शन उपाध्यक्ष उदय परांजपे ने किया।

श्री श्रीधर सोंधिया- श्री श्रीधर सोंधिया का 59 की आयु में निधन हो गया है। अंतिम संस्कार किया गया।

श्री पालनी स्वामी- नेहरू नगर पुल नं. 2 के पास निवासी श्री पालनी स्वामी (72) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री मनोहर लाल उबाले- कृपाल चौक गुप्तेश्वर निवासी श्री मनोहर लाल उबाले (92) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री ओम प्रकाश पांडे- सालीवाड़ा गौर निवासी श्री ओम प्रकाश पांडे (67) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री दिलीप दयानी- बड़ी ओमती मस्जिद के सामने निवासी श्री इंद्र कुमार दयानी के पुत्र श्री दिलीप दयानी (45) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री शेषमणि मिश्रा- जेडीए कॉलोनी संजय नगर रांझी बड़ा पत्थर निवासी श्री शेषमणि मिश्रा (57) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती राजकुमारी लांबा- केरला भवन के पास कटंगा निवासी श्री राम नारायण लांबा की धर्मपत्नी श्रीमती राजकुमारी लांबा (82) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में विगत दिवस किया गया।

हरिभूमि
बिजी/शोक/उठावन, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अब साइज 40/- प्रति स्क्वायर से.मी.
सिंगल साइज:- 1x4 से.मी. ब्लैक&व्हाईट 300/-
सिंगल साइज:- 1x4 से.मी. रंगीन 400/-
सिंगल साइज 1x4 से.मी. रंगीन 1100/-
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-9303508294, 9407362160

श्रीमती गायत्री देवी पाठक- सुहागी श्रीराम कॉलोनी निवासी श्री जगदीश प्रसाद पाठक की धर्मपत्नी श्रीमती गायत्री देवी पाठक (86) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री केआर बिडवाइक- पुष्प नगर कछपुरा निवासी श्री केआर बिडवाइक का निधन हो गया। अंतिम संस्कार रानीताल श्मशान भूमि में किया गया।

श्री विजय कुमार पासी- शास्त्री ब्रिज के पास गोरखपुर निवासी श्री विजय कुमार पासी (60) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती शीला बाई तिवारी- क्रेशर बस्ती सगड़ा निवासी श्री छोटे लाल तिवारी की धर्मपत्नी श्रीमती शीला बाई तिवारी (85) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट श्मशान भूमि में किया गया।

श्री सरोज कुमार पांडे- नर्मदा नगर गौरीघाट निवासी श्री सरोज कुमार पांडे (82) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती चंद्रा नायडू- राजीव नगर कटंगा टीवी टावर के पास निवासी श्री सुबन्ना नायडू की धर्मपत्नी श्रीमती चंद्रा नायडू (85) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट श्मशान भूमि में किया गया।

श्री रामजी सोनी- केदारनाथ का बाड़ा शीतलामाई मंदिर के पीछे निवासी श्री रघुनाथ प्रसाद सोनी के पुत्र श्री रामजी सोनी (40) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती मनोरमा गुप्ता- नर्मदा नगर गौरीघाट रोड निवासी श्री रामसिया गुप्ता की धर्मपत्नी श्रीमती मनोरमा गुप्ता (72) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट श्मशान भूमि में किया गया।

श्री जयप्रकाश नारायण सिंह- यादव कॉलोनी निवासी श्री जयप्रकाश नारायण सिंह (84) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती सुखदेई राजपूत- कृष्णा विहार कॉलोनी धनवंतरी नगर निवासी श्री भीमराव राजपूत की धर्मपत्नी श्रीमती सुखदेई राजपूत (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती कमला यादव- यादव कॉलोनी निवासी श्री अशोक कुमार यादव की धर्मपत्नी श्रीमती कमला यादव (63) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री दयालदास दासवानी- करमचंद चौक स्थित कॉफी हाउस के पीछे निवासी श्री दयालदास दासवानी (57) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

(विक्रय-पत्र)
न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार
तहसील अधारताल, जबलपुर
रा.प्र.क्र./0215/अ-6/2026-27
जबलपुर, दिनांक 27/5/26
आम इश्तहार
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री चंद्रशेखर साहू पिता/ पति स्व. राजामोहन साहू निवासी म.नं. 570 शंकर नगर करमेता जबलपुर (म.प्र.) के द्वारा मौजा करमेता/ ब्लॉक नंबर- प्लाट नंबर- स्थित भूमि खसरा नंबर 266/1, 267/1 में से रकवा 684.5 वर्गफुट भूमि जो आवेदक के द्वारा वसीयतकर्ता श्रीमति लक्ष्मी बाई साहू से रजिस्टर्ड वसीयत दिनांक 01/08/2005 से वसीयत किया जाना लेख किया है।
तत्संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा या आपत्ति हो तो नियत पेशी दिनांक 12/06/26 तक इस न्यायालय में स्वयं या अधिवक्ता के माध्यम से प्रस्तुत कर सकता है। समयावधि व्यतीत हो जाने के पश्चात प्रस्तुत दावा/ आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।
आज न्यायालय की मुद्रा व मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।
मुद्रा
अतिरिक्त तहसीलदार
आधारताल, जबलपुर

चौरई और जुन्नारदेव में दर्दनाक घटनाएं, दो की मौत, एक का शव मिला, एक की तलाश जारी, सुरक्षा इंतजामों की कमी बनी कारण

दो जल हादसों ने झकझोरा, चार किशोर डूबे, प्रशासन पर उठे सवाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ जुन्नारदेव/चौरई

छिंदवाड़ा जिले में बुधवार को हुए दो अलग-अलग जल हादसों ने पूरे जिले को गहरे सदमे में डाल दिया। चौरई और जुन्नारदेव क्षेत्र में हुए इन दर्दनाक हादसों में चार किशोर गहरे पानी में डूब गए। इनमें से दो किशोरों की मौत हो चुकी है, जबकि दो अन्य की तलाश के लिए पुलिस, प्रशासन और गोताखोरों की टीमें लगातार रेस्क्यू ऑपरेशन चला रही हैं। इन घटनाओं ने एक बार फिर जिले में जल स्रोतों और पर्यटन स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्थाओं की पोल खोल दी है। पहला हादसा चौरई थाना क्षेत्र के बेलखेड़ा स्थित प्रसिद्ध घोघरा वॉटरफॉल में हुआ। जानकारी के अनुसार छिंदवाड़ा निवासी 14 वर्षीय गौरव डेहरिया और 17 वर्षीय विनायक गुप्ता अपने परिवार के साथ घूमने पहुंचे थे। बताया जा रहा है कि दोनों किशोर वॉटरफॉल के पास मोबाइल से रील बना रहे थे। इसी दौरान अचानक उनका पैर फिसल गया और वे गहरे पानी में जा गिरे। आसपास मौजूद लोगों ने उन्हें बचाने की कोशिश की, लेकिन पानी की अधिक गहराई और तेज बहाव के कारण दोनों कुछ ही पलों में आंखों से ओझल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही चौरई पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय गोताखोरों और बचाव दल की मदद से देर शाम तक रेस्क्यू ऑ प रे श न

च ला या गया। हादसे के बाद मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण और पर्यटक एकत्र हो गए। किशोरों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। प्रशासन की टीम ने काफी मशक्कत के बाद एक किशोर के शव को बाहर निकाला, जबकि दूसरे की तलाश देर रात तक जारी रही।

दूसरी घटना जुन्नारदेव थाना क्षेत्र की डूंगरिया चौकी अंतर्गत खदान के पास बने एक गहरे तालाब में हुई। यहां कुछ युवक जन्मदिन पार्टी मनाने पहुंचे थे। पार्टी के दौरान सभी युवक तालाब में नहाने उतर गए। इसी बीच दो किशोर अचानक गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। साथियों ने शोर मचाया, जिसके बाद स्थानीय लोग और पुलिस मौके पर पहुंची। देर रात तक चले रेस्क्यू अभियान में एक किशोर का शव बरामद कर लिया गया, जबकि दूसरे की तलाश गुरुवार सुबह फिर शुरू की गई। दोनों घटनाओं ने जिलेभर में शोक और आक्रोश का माहौल पैदा कर दिया है। लोगों का कहना है कि जिले के वॉटरफॉल, डैम और खदान क्षेत्रों में हर साल इस तरह के हादसे होते हैं, लेकिन प्रशासन सिर्फ हादसों के बाद औपचारिक कार्रवाई तक सीमित रह जाता है। सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि जिन स्थानों को पहले से खतरनाक घोषित किया गया है, वहां सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम क्यों नहीं किए गए।

नहीं लगाए गए चेतावनी बोर्ड

स्थानीय नागरिकों और सामाजिक संगठनों ने प्रशासन पर गंभीर लापरवाही के आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि घोघरा वॉटरफॉल, खदान तालाब और अन्य जल क्षेत्रों में न तो चेतावनी बोर्ड लगाए गए हैं और न ही सुरक्षा गार्ड या बैरिकेडिंग की समुचित व्यवस्था है। कई स्थानों पर पर्यटक बिना किसी रोक-टोक के गहरे पानी के बेहद करीब पहुंच जाते हैं, जिससे हादसों का खतरा लगातार बना रहता है।

प्रशासन की तैयारियां साबित हो रही नाकाफी

लोगों ने बरगी डेम हादसे का भी जिक्र किया, जहां कुछ समय पहले बड़ा जल हादसा हुआ था। उस घटना के बाद प्रशासन ने सुरक्षा को लेकर सख्ती और ठोस कदम उठाने का दावा किया था, लेकिन जमीनी स्तर पर हालात अब भी जस के तस बने हुए हैं। लगातार हो रही घटनाएं यह साबित कर रही हैं कि प्रशासन की तैयारियां नाकाफी हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि गर्मी और छुट्टियों के दौरान जिले के प्राकृतिक पर्यटन स्थलों पर लोगों की भीड़ बढ़ जाती है। ऐसे में संवेदनशील स्थानों पर प्रशिक्षित लाइफगार्ड, रेस्क्यू टीम, चेतावनी संकेत और प्रतिबंधित क्षेत्रों की स्पष्ट पहचान बेहद जरूरी है। साथ ही युवाओं और किशोरों में सोशल मीडिया के लिए रील बनाने की बढ़ती होड़ भी हादसों का कारण बन रही है। कई बार लोग खतरनाक जगहों पर जाकर वीडियो बनाने की कोशिश करते हैं और दुर्घटना का शिकार हो जाते हैं।

हादसों में प्रभावित परिवार सदमे में

इन दर्दनाक हादसों के बाद जिलेवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि सभी खतरनाक जल क्षेत्रों का सर्वे कराया जाए और वहां तत्काल सुरक्षा इंतजाम सुनिश्चित किए जाएं। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले दिनों में और भी बड़ी घटनाएं सामने आ सकती हैं। लिहाल दोनों हादसों से प्रभावित परिवार गहरे सदमे में हैं और पूरा जिला इन मासूम किशोरों के लिए शोक व्यक्त कर रहा है।

बीच सड़क पति-पत्नी का हाई वोल्टेज ड्रामा, पत्नी ने पति की कर दी पिटाई, वीडियो वायरल

छतरपुर। शहर के महोबा रोड स्थित सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र में बुधवार को पति-पत्नी के बीच बीच सड़क हाई वोल्टेज ड्रामा देखने को मिला। यहां एक महिला ने अपने पति की सरेआम पिटाई कर दी, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि महिला ने सड़क पर ही पति को पकड़कर मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान दोनों के बीच तीखी बहस और धक्का-मुक्की भी होती रही। घटना के दौरान सड़क पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और काफी देर तक हंगामे जैसी स्थिति बनी रही। मौके पर मौजूद राहगीरों और स्थानीय लोगों ने बीच-बचाव कर दोनों को शांत कराया, जिसके बाद मामला शांत हो सका। वायरल वीडियो में महिला अपने पति पर गुस्सा जाहिर करते हुए मारपीट करती दिखाई दे रही है, जबकि आसपास मौजूद लोग तमाशबीन बने नजर आ रहे हैं। घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है। हालांकि इस मामले में अब तक किसी भी पक्ष की ओर से पुलिस में शिकायत दर्ज कराए जाने की जानकारी सामने नहीं आई है।

पांच दिवस पंचधुनी अग्नि तपस्या

दमुआ। श्री सती अनुसुईया माता मंदिर दमुआ प्रांगण में अधिमास के पावन पर्व पर पांच दिवस पंचधुनी अग्नि तपस्या कथा व्यास श्री अनुग्रह सागर जी महाराज जी के द्वारा पांच दिवस पंचधुनी अग्नि तपस्या 28 मई दिन गुरूवार से प्रारम्भ है जो कि 2 जून दिन सोमवार तक महाराज जी के द्वारा जारी रहेगी पंचधुनी अग्नि तपस्या में कंडो के बने पांच जलते हुए घेरो के बीच में पांच प्रकार की कंडो से बनी अग्नि के बीच बैठकर 3 घंटे तक निरन्तर तपस्या कर रहे है। भगवान महादेव जी की अराधना जाप तप में लीन होकर तपस्या कर रहे है। जब महाराज जी तपस्या करते है तब वे अन्न जल का सेवन तक नही करते है कि जबकि इस प्रचण्ड गर्मी में दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक लगातार तीन घंटे धूनी तपस्या मंत्रा के उच्चारण के साथ इस भीषण गर्मी में अग्निके बीच बैठकर तपस्या करना बहुत अधिक कठिन होता है। "इंसान इस भीषण गर्मी में ऐसी, कूलर के बिना नही रह पाता किन्तु महाराज जी पांच दिवस पंचधुनी अग्नि तपस्या में लीन रह रहे है " जिस प्रकार अग्नि रूपी तत्व से भोजन की सभी अशुद्धियों का नाश हो जाता है ठीक उसी प्रकार तपस्या रूपी तप से हमारे सभी पापो का नाश हो जाता है पूण्य अर्जित होता है केवल तपस्या ही ऐसा मार्ग है जो हमे सत्य की ओर लेकर जाता है सत्य अर्थात परमपिता परमेश्वर को पाता है जो केवल तपस्या से प्राप्त होती अर्थात जिस कार्य से मानव जीवन का कल्याण हो सके क्षेत्र को कल्याण हो अपने मन और जीवन को सही मार्ग की अग्रेषित करना ही तपस्या है।

थाना जबेरा की सिग्रामपुर चौकी क्षेत्र अंतर्गत तैलन घाटी का मामला, पुलिस जांच जारी

अज्ञात लोगों द्वारा ऊंचे पहाड़ से भगा कर गिराई गईं 14 भैंसें, 11 की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ जबेरा

थाना जबेरा के अंतर्गत सिग्रामपुर चौकी क्षेत्र की तेलंग घाटी में 14 भैंसों के साथ हुई दर्दनाक घटना ने क्षेत्र में सनसनी फैला दी है। जानकारी के अनुसार रात के समय अज्ञात लोगों द्वारा भैंसों को पहाड़ी क्षेत्र की ओर भगाया गया, जिससे वे अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गईं। हादसे में 11 भैंसों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 3 भैंसों का उपचार जारी है।घटना की सूचना मिलते ही 112 डायल टीम मौके पर पहुंची। इसके बाद थाना प्रभारी विकास चौहान एवं सिग्रामपुर चौकी प्रभारी गणेश दुबे पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और जांच प्रारंभ की गई। सभी मृत पशुओं का पोस्टमार्टम कराया गया है।थाना प्रभारी विकास चौहान ने बताया कि मामले में अपराध पंजीबद्ध कर लिया गया है तथा दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अज्ञात लोगों की तलाश में जुटी हुई है और विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच की जा रही है।वहीं पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. पंकज चौबे ने बताया कि घायल भैंसें गंभीर रूप से इंजर्ड थीं। जिन भैंसों की मौत हुई है उनका पोस्टमार्टम कर लिया गया है, जबकि शेष घायल पशुओं का इलाज जारी है।स्थानीय लोगों का आरोप है कि यह घटना सुनियोजित हो सकती है।

क्षेत्रवासियों ने मामले की निष्पक्ष जांच एवं दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।इधर क्षेत्र में लगातार सामने आ रही पशु क्रूरता की घटनाओं को लेकर लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। लोगों का कहना है कि प्रशासन द्वारा सख्ती नहीं बरतने के कारण ऐसी घटनाएं

लगातार बढ़ रही हैं। ओर सा सम्मान उनका देह संस्कार किया गया घटना की जानकारी मिलने पर बजरंग दल के प्रखंड सुरक्षा प्रमुख प्रशांत तिवारी, बल उपासना प्रमुख दिनेश घोषी, ह्रितिक नामदेव एवं गौरव यादव अपने कार्यकर्ताओं के साथ मौके पर पहुंचे।इसी बीच जबेरा–दमोह–जबलपुर बायपास पर भी एक ट्रैक्टर चालक द्वारा जीवित गाय के बछड़े को चलते ट्रैक्टर से फेंकने का मामला सामने आया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार जब वहां मौजूद लोगों ने इसका विरोध किया तो संबंधित लोग विवाद करने पर उतारू हो गए। हालांकि तब तक ट्रैक्टर एवं संबंधित व्यक्ति वहां से फरार हो चुके थे।

गर्मी का दिखा असर : ठंडे क्षेत्रों में उड़ गए 408 गिद्ध

मिले सिर्फ 261, तीन दिन चली गिनती में हर दिन अलग-अलग आई संख्या

रीवा। गिद्धों की दूसरे चरण की गणना पूरी हो गई। वन मंडल रीवा के क्षेत्र में चली गणना में तीनों दिन अलग-अलग संख्याएं सामने आई हैं। आखिरी दिन सबसे अधिक 261 गिद्ध देखे गए हैं, इसलिए इसे ही आधिकारिक संख्या माना जा रहा है। फरवरी में हुई गणना की तुलना में यह संख्या 408 कम है। माना जा रहा है कि 408 गिद्ध ठंड वाले क्षेत्रों के लिए उड़ गए हैं। सरकार की ओर से वर्ष में दो बार गिद्धों की गणना कराई जाती है, एक ठंड के दिनों और दूसरा गर्मी के दिनों में बीते कई वर्षों से यह आंकड़ा सामने आ रहा है कि ठंड के दिनों में दूसरे राज्यों से गिद्ध रीवा आ जाते हैं। इसके बाद जैसे ही मौसम में गर्माहट आती है

वह धीरे-धीरे कर उड़ जाते हैं। कई गिद्ध तो ठंड वाले देशों में चले जाते हैं। फरवरी में हुई गणना में रीवा और मऊगंज जिले में 669 गिद्ध देखे गए थे। यह संख्या पिछले वर्ष हुई गणना से 90 कम थी। अधिकारियों का कहना है कि दूसरे चरण की गिद्ध गणना का कार्य पूरा किया जा चुका है। गर्मी में हर वर्ष जिले में गिद्धों की संख्या कम हो जाती है। सामान्यतौर पर ठंड वाले क्षेत्रों में गर्मी आते ही गिद्ध चले जाते हैं। कई जगह स्थाई बसेरा भी देखा गया है, जिससे आने वाले दिनों में संख्या बढ़ने का अनुमान है। वही बताया गया है कि गिद्धों की गणना के लिए निर्धारित प्रोटोकाल के अनुसार गणना की यह प्रक्रिया पूरी की गई है। दशकभर पहले रीवा सहित प्रदेश के अन्य हिस्सों से गिद्धों की प्रजाति विलुप्त होती नजर आ रही थी। जिसके चलते सरकार ने इनके संरक्षण के लिए कई तरह के अभियान चलाए और अब हर साल गिद्धों की गणना भी की जा रही है। गिद्ध पारिस्थितिकी तंत्र में सफाईकर्मी के रूप में जाने जाते हैं। इनका पाचन तंत्र बहुत मजबूत होता है, जिससे ये शवों में मौजूद बैक्टीरिया और फफूंद को आसानी से पचा लेते हैं। गिद्ध एंथ्रेक्स, फूट एंड माऊथ डिजीज और रेबीज जैसी महामारियों के प्रसार को रोकते हैं। गिद्धों की संख्या में गिरावट का प्रमुख कारण डाक्लोफेनेक नामक पशु चिकित्सा दवा है जो गिद्धों के लिए घातक होती है। पूरे विश्व में गिद्धों की 23 प्रजातियां पाई जाती हैं जिसमें भारत में 9 प्रजातियां पाई जाती है। रीवा वनमंडल में पांच प्रकार के गिद्ध देखे गए है। कई जगह गिद्धों का स्थाई बसेरा देखा गया है। 22 से 24 मई के बीच गणना की गई है।चार माह पूर्व की गणना में देखे गए थे पांच प्रकार के गिद्धफरवरी में तीन दिन चली गणना में रीवा और मऊगंज में पांच प्रकार के गिद्ध देखे गए थे। जिसमें लांग विल्ड देशी गिद्ध 474, सफेद पीठ गिद्ध 91, सफेद या इजिप्शियन 76, राज गिद्ध 9. काला गिद्ध 19 की संख्या में देखे गए थे। इस बार चार प्रकार के गिद्ध देखे गए हैं। पिछली गणना में 669 गिद्ध मिले थे। वन परिक्षेत्र अतरैला में 9. डभौरा में 19, रीवा में 29, सिरमौर में 88, सेमरिया में 351, हनुमना में 73 एवं मऊगंज में 119 शामिल थे।जिले में गणना की स्थितिपहले दिन : सिरमौर में 55 वयस्क और 15 अवयस्क, हनुमना में 41 वयस्क और 2 अवयस्क, रीवा में पांच वयस्क एवं एक अवयस्क सेमरिया में 48 वयस्क और 20 अवयस्क मिले। जबकि डभौरा, अंतरैला, चाकघाट, मऊगंज आदि क्षेत्रों में कोई गिद्ध नहीं मिले। दूसरा दिनः डभौरा में छह वयस्क, सिरमौर में 55 वयस्क एवं 16 अवयस्क, अंतरैला में चार वयस्क, हनुमना में 40 वयस्क, रीवा में 11 में वयस्क एवं एक अवयस्क, सेमरिया में 84 वयस्क एवं 26 अवयस्क मिले। तीसरा दिनः डभौरा में दो वयस्क एवं एक अवयस्क, अतरैला में आठ वयस्क, सेमरिया में 91 वयस्क और 23 अवयस्क, सिरमौर में 75 वयस्क और 15 अवयस्क, हनुमना में 31 वयस्क, मऊगंज में तीन वयस्क, रीवा में दस वयस्क और दो अवयस्क गिद्ध पाए गए।

मछलियों का शिकार करने वाला आरोपी गिरफ्तार

सिवनी। पेंच टाइगर रिजर्व, सिवनी अंतर्गत गेम रेंज गुमतरा के परिक्षेत्र सहायक वृत्त जमतरा की बीट नाहरझिर अंतर्गत कक्ष क्रमांक 1421 स्थित प्रतिबंधित कोर क्षेत्र नाहरझिर तालाब क्षेत्र में अवैध रूप से प्रवेश कर मछलियों का शिकार करने के मामले में वन अपराध प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है। प्रकरण में आरोपी फेली पिता लाखन वर्मा, निवासी तितरी, थाना चांद, जिला छिंदवाड़ा को गिरफ्तार किया गया, जबकि एक अन्य आरोपी फरार है, जिसकी तलाश जारी है। उक्त घटना पेंच टाइगर रिजर्व के प्रतिबंधित कोर क्षेत्र की है, जहाँ बिना वैध अनुज्ञप्ति किसी भी व्यक्ति का प्रवेश पूर्णतः प्रतिबंधित है तथा यह कानूनन दंडनीय अपराध की श्रेणी में आता है। यह कार्यवाही टाइगर रिजर्व में बाघों की मॉनिटरिंग एवं अवैध गतिविधियों पर निगरानी हेतु संवेदनशील स्थलों पर स्थापित आधुनिक निगरानी प्रणाली के आधार पर क्षेत्रीय अमले द्वारा की गई त्वरित कार्रवाई का परिणाम है। प्राप्त सूचना पर वन विभाग के मैदानी स्टाफ द्वारा तत्काल मौके पर पहुँचकर कार्रवाई की गई तथा आरोपी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय छिंदवाड़ा में प्रस्तुत किया गया, जहाँ से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। ज्ञातव्य है कि पेंच टाइगर रिजर्व के बफर क्षेत्र के ग्रामों में विगत दिनों मानव-वन्यप्राणी द्वंद्व की घटनाओं के दृष्टिगत टाइगर रिजर्व प्रबंधन द्वारा लगातार बाघ चौपाल, ग्राम समिति बैठकों, मुनादी एवं जन-जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से आमजन को प्रतिबंधित एवं वन्यप्राणी विचरण क्षेत्रों में प्रवेश न करने हेतु जागरूक किया जा रहा है। इसके बावजूद कुछ लोग निजी स्वार्थवश प्रतिबंधित क्षेत्रों में प्रवेश कर स्वयं एवं वन्यजीवों की सुरक्षा को खतरे में डाल रहे हैं। पेंच टाइगर रिजर्व प्रबंधन द्वारा आमजन से अपील की गई है कि वे प्रतिबंधित वन क्षेत्रों में प्रवेश न करें तथा वन एवं वन्यजीव संरक्षण संबंधी नियमों का पालन करते हुए किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल वन विभाग को दें।

2 दिन से बंद था कमरा, लैपटॉप की स्क्रीन में खुली थी एमसीएक्स की साइड, पुलिस खंगाल रही मोबाईल से डिटेल

कमरे के अंदर मिला राजेश अग्रवाल का शव फैली सनसनी, सूचना पर पहुंची पुलिस ने खोला गेट

छतरपुर। थाना ओरछा रोड़ के अंतर्गत डिजीटल कॉलेज के पास श्रीराम कॉलोनी में किराए के मकान में रहने वाले अधेड़ व्यक्ति राजेश अग्रवाल का शव बंद कमरें में मिलने से सनसनी फैल गई। राजेश अग्रवाल के कमरे का दो दिन से गेट नहीं खुल रहा था। जिस पर परिजनों ने ओरछा रोड़ पुलिस को सूचना दी, सूचना मिलते ही ओरछा रोड़ थाने के सब इस्पेंक्टर दीपक यादव दलबल के साथ मौक़े पर पहुंचे और परिजनों से चर्चा करने के बाद राजेश अग्रवाल के कमरे की खिड़की से जब देखा तो वह जमीन पर लेटा हुआ था।

दीपक यादव ने गेट पहले खटखटाया लेकिन जब नहीं खुला तो तेजी से एक लात मारी और गेट खुल गया। कमरे का गेट खुलने पर अदंर का नजारा देख कर पुलिस और परिजन सन्न रह गए। क्योंकि राजेश अग्रवाल जमीन पर बिछे विस्तर पर मृत अवस्था में पड़ा था और उसके मुहं से खून भी निकला हुआ था। पास में एक जहरीली दबा की शीशी पड़ी हुई थी तथा लैपटॉप में एमसीएक्स सट्टा की बेवसाईड खुली हुई थी। जिससे आशंका पाई जा रही है कि एमसीएक्स सट्टे में लिप्त लोग राजेश अग्रवाल को परेशान कर रहे थे या फिर वह एमसीएक्स सट्टे में लम्बी रकम हार गया था।

जिस कारण उसने यह आत्मघाती कदम उठाया। परिवार में एक 80 बर्ष की बूढ़ी मां मानसिक माईनर पुत्र और पत्नी मौजूद थी। बूढ़ी मां ने बताया कि दो दिन से उसने गेट नहीं खोला था जिस कारण उन्हें कुछ अनहोनी की आशंका हुई, इसलिए पुलिस को सूचना दी। मृतक की मां ने यह भी बताया कि कुछ लोग शहर से राजेश से मिलने आते थे लेकिन उनकी क्या बातचीत होती थी यह उन्हें जानकारी नहीं है। मृतक का शव चड्डी बनियान में पाया गया है ऐसी आशंका ब्यक्त की जा रही है कि लैपटॉप में वह एमसीएक्स सट्टा खेल रहा होगा। या तो हार जाने के कारण या फिर किसी का प्रताडऩा भरा फोन आने से उसने जहर खाकर आत्महत्या की या फिर पहले से ही राजेश अग्रवाल ने आत्महत्या की प्लानिंग बना रखी हो और वह पहले से ही जहर की शीशी लेकर कमरे का गेट बंद कर ऐसी घटना को अजाम दिया। फिलहाल एमसीएक्स का पोर्टल लैपटॉप की स्क्रीन में खुला पाए जाने से स्पष्ट हो रहा है कि शहर में बड़े पैमाने पर एमसीएक्स सट्टे का कारोबार चल रहा है, जिसमें युवा पीढी के लोग लिप्त है। पिछले महीने गल्लामंडी में भी कोतवाली पुलिस ने छापामार कार्यवाही कर सट्टा पकड़ा था। इस संबंध में जब ओरछा रोड़ थाने के सब इस्पेंक्टर दीपक यादव से चर्चा की गई तो उन्होंने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का लग रहा है। लैपटॉप की स्क्रीन पर एमसीएक्स की साईड खुली पाई गई है। इस पूरे मामले की जांच की जा रही है पीएम रिपोर्ट से भी कारण स्पष्ट होगा वहीं यह भी पता चला है कि पुलिस मृतक के मोबाईल से डिटेल खगांल रही है। कब किससे बात होती रही और अंतिम कॉल किसकी थी। हालांकि इस मामले की पूरी तरह से जांच की गई तो कई बड़े चेहरे एमसीएक्स के मामले में बेनकाब होगें। क्योंकि कई सफेदपोस लोग एमसीएक्स के धंधे में लिप्त है पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग उठाई

अजयगढ़। बकरीद पर्व के अवसर पर तहसील अजयगढ़ जिला पन्ना की मुस्लिम समिति द्वारा सामाजिक सौहार्द और भाईचारे का संदेश देते हुए देश में गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित किए जाने की मांग को लेकर प्रधानमंत्री के नाम तहसीलदार अजयगढ़ के माध्यम से आवेदन सौंपा गया।

समिति के सदस्यों ने आवेदन में कहा कि गाय भारतीय संस्कृति, कृषि एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार रही है। प्राचीन काल से ही गाय को पूजनीय माना जाता है तथा दूध, गोबर एवं गोमूत्र का उपयोग कृषि, स्वास्थ्य सहित विभिन्न कार्यों में किया जाता है। देश के अनेक नागरिकों की धार्मिक एवं सांस्कृतिक भावनाएं भी गाय से जुड़ी हुई हैं। मुस्लिम समिति ने कहा कि बकरीद पर्व त्याग, बलिदान और इंसानियत का संदेश देता है। इसी भावना के तहत समाज में प्रेम, सद्भाव और आपसी भाईचारा बनाए रखने के उद्देश्य से यह पहल की गई है। समिति का कहना है कि वर्तमान समय में गायों के संरक्षण एवं सुरक्षा की आवश्यकता महसूस की जा रही है।

भारत भाग्य विधाता में दिखेगी बलिदान और एकता की कहानी

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत की आगामी फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' का दमदार मोशल पोस्टर गुरुवार को निर्माताओं ने रिलीज कर दिया है। यह फिल्म 12 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। पोस्टर में कंगना खून में सनी हुई जख्मी हालत में दिख रही हैं। उनके आस पास आग की लपते दिखाई दे रही हैं। इस फिल्म में साहस, मानवता, बलिदान और एकता की एक कहानी को दिखाया जाएगा। कंगना ने 'भारत भाग्य विधाता' का मोशन पोस्टर इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। इसके साथ कैप्शन में लिखा, 'कुछ खास करके, आम ही कहते हैं। वो दिखते तो हैं, पर नजर नहीं आते।' यह फिल्म 12 जून, को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

लाइफ Style

राधिका

सपनों के लिए कुछ भी करने को तैयार हूं

एजेंसी ⏭ मुंबई

राधिका मदान इन दिनों अपनी हालिया रिलीज 'सूबेदार' में शानदार परफॉर्मेंस के लिए खूब तारीफें बटोर रही हैं। अब वह शकुन बत्रा की 'लस्ट स्टोरीज 3' के लिए पूरी तरह तैयार हैं, जिसमें वह अली फजल के साथ नजर आएंगी।

एक बातचीत में राधिका ने कहा, 'मैं शकुन बत्रा के काम की बहुत बड़ी फैन रही हूं। जब मुझे इस फिल्म के बारे में पता चला, तो मैंने 'लस्ट स्टोरीज 3' के लिए ऑडिशन देने की रिक्वेस्ट की। भगवान की कृपा से मुझे यह मौका मिल गया।' उन्होंने आगे कहा, 'मैं एक औसत परफॉर्मेंस देने का रिस्क नहीं ले सकती। हर रोल के लिए बहुत लोग लाइन में खड़े होते हैं। अगर मैं अच्छा नहीं करूंगी, तो कोई मुझे दूसरा मौका नहीं देगा। मेरे लिए हर काम 'करो या मरो' जैसा होता है। अगर मुझे इस इंडस्ट्री में टिकना है, तो मुझे हर बार बेस्ट देना होगा।उन्होंने कहा, 'मैं लाइन में खड़ी रही हूं, बहुत मेहनत की है। आज भी अगर कोई ऐसा प्रोजेक्ट होता है जहां लोग मुझे कास्ट करने के बारे में नहीं सोचते, तो मैं खुद ऑडिशन मांगती हूं और मुझे इसमें कोई झिझक नहीं होती। मेरे अंदर कोई ईगो नहीं है। उन्होंने आगे कहा, 'मुझे सबसे ज्यादा दिक्कत तब होती है जब मुझे ऑडिशन का मौका ही नहीं मिलता और सिर्फ मेरे सरनेम की वजह से मुझे रिजेक्ट कर दिया जाता है। अगर मैं ऑडिशन देकर रिजेक्ट होती हूं, तो मुझे सुकून मिलता है, क्योंकि मुझे पता होता है कि मैंने अपना 100% दिया। अगर मुझे फिर से लाइन में लगना पड़े, तो भी मुझे कोई शर्म नहीं है। मैं एक एक्टर हूं और अपने सपनों के लिए कुछ भी करने को तैयार हूं।'

हॉलीवुड मसाला

ही-मैन बनने धांसू ट्रांसफॉर्मेशन

नई दिल्ली। जैसे-जैसे ही-मैन पर बनी फिल्म 'मास्टर्स ऑफ द यूनिवर्स की रिलीज डेट नजदीक आ रही है, इसे लेकर सोशल मीडिया पर फैन्स के बीच चर्चाएं बढ़ती जा रही है। फिल्म 5 जून 2026 को सिनेमाघर में आएगी। इसी बीच मेकर्स ने फिल्म के दो बीटीएस वीडियो जारी किए हैं, जिनमें निकोलस गैलित्जिन को खूब मेहनत करते देखा जा सकता है। बीटीएस वीडियो में फिल्म के हीरो निकोलस गैलित्जिन के शानदार फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन की पूरी कहानी दिखाई गई है।

प्यार था... पर राहें अलग हो गईं...

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर बॉबी देओल और तान्या देओल की शादी 30 मई 1996 को हुई थी। फिलहाल दोनों खुशहाल जीवन बिता रहे हैं। लेकिन एक वक्त था, जब बॉबी देओल और पूजा भट्ट के रिलेशनशिप की चर्चा काफी होती थीं। अब हाल ही में पूजा भट्ट ने इस मामले पर चुप्पी तोड़कर बड़ा बयान दिया है। एक बातचीत में पूजा ने कई खुलासे किए। जब उनसे पूछा गया कि क्या वे और बॉबी प्यार में थे, तो उन्होंने कहा- 'बिल्कुल। ऐसा क्या है जिससे प्यार न हो?' अपने रिश्ते के बारे में बात करते हुए पूजा ने कहा, 'वो मेरी जिंदगी का एक बहुत ही खास और खूबसूरत समय था, और वो एक बहुत ही अच्छे इंसान थे, जिनके साथ रहना अच्छा लगता था।'पूजा ने बताया कि समय के साथ वह और बॉबी अलग-अलग दिशाओं में आगे बढ़ गए।

मातृभूमि का नया गाना मैं हूं रिलीज...

मुंबई। इन दिनों सलमान खान अपनी आने वाली फिल्म मातृभूमि के प्रमोशन में लगे हैं। यह फिल्म जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होगी। ईद पर भी फैंस को भाईजान ने खुश कर दिया, उन्होंने अपनी इस फिल्म एक गाना 'मैं हूं...' का वीडियो इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया है। इस गाने पर फैंस ने जमकर रिएक्शन दिए हैं। साथ ही बॉलीवुड सेलेब्स ने भी गाने को खूब पसंद किया और भाईजान को ईद की बधाई भी दी है। फिल्म मातृभूमि के गाने 'मैं हूं...' में सलमान खान एक्ट्रेस चित्रांगदा के साथ रोमांस कर रहे हैं। इस गाने में भाईजान का अंदाज फैंस को पसंद आया है। गाने को श्रेया घोषाल ने गाया है। 'मैं हूं'गाने में चित्रांगदा का किरदार अपने पति यानी सलमान खान के किरदार को याद करती है, जो बॉर्डर पर देश की रक्षा कर रहा है।

मैथ्यू डेथ केस में निजी सहायक केनेथ को 41 महीने की सजा

लॉस एंजिल्स। मशहूर अभिनेता मैथ्यू पेरी ड्रग ओवरडोज की वजह से जिंदगी से हार गए थे। इस मामले के आरोपी केनेथ इवामासा ने अपना गुनाह को कुबूल कर लिया है। उन्होंने अदालत के सामने मैथ्यू को केटामाइन देने की बात स्वीकार की, जिसमें वो डोज भी शामिल हैं जो पेरी की मौत का कारण बनी। न्यायाधीश शेरिलिन गार्नेट ने आरोपी केनेथ इवामासा को 41 महीनों की सजा सुनाई। इससे पहले जसवीन संघा ने भी अपना गुनाह कुबूल कर लिया था। उन्होंने अदालत से कहा था, 'इस दुखद घटना की वजह बने हालात में मैंने जो भूमिका निभाई और जो काम किए मैं उनकी पूरी जिम्मेदारी लेती हूं। मैं समझती हूं कि मेरा बर्ताव यानी ड्रग्स का धंधा चलाना और उसी रास्ते पर चलते रहना लापरवाही भरा, खतरनाक और गलत था'। अदालत ने जसवीन को 15 साल की सजा सुनाई थी।

टीवी मसाला

ऑफिस-ऑफिस की वापसी, अब मुसद्दीलाल की बेटी बाजी पलटेगी

नई दिल्ली। टीवी की दुनिया में बहुत कम सीरियल ऐसे हैं, जिनके किरदार लोगों की जिंदगी का हिस्सा बन गए। 'ऑफिस ऑफिस' सीरियल उन्हीं में से एक था। इस सीरियल में पंकज कपूर, मनोज पाहवा, हेमंत पांडे, संजय मिश्रा और बाकी किरदार सिर्फ कॉमेडी नहीं करते थे बल्कि सरकारी सिस्टम की सच्चाई दिखाते थे। करीब दो दशक बाद अब यह कल्ट सीरियल नए अंदाज में लौट रहा है। डायरेक्टर उमेश अपने नए सीरियल 'ऑफिस ऑफिस चली मुसद्दी की बेटी' के बारे में कहते हैं, 'करीब ढाई साल पहले हमें दूरदर्शन से बुलावा आया था। उन्होंने कहा कि आप हमारे लिए क्या कर सकते हैं? हम लोग कई आइडिया लेकर गए थे। बात करते-करते उन्होंने पूछा कि क्या आप सीरियल 'ऑफिस ऑफिस'कर सकते हैं? मैंने कहा कि पुराना सीरियल बनाना अब मुश्किल है। आज सारे कलाकार सुपरस्टार बन चुके हैं, कोई टीवी चैनल उन्हें उस तरह अफॉर्ड नहीं कर सकता। सिर्फ कलाकार ही नहीं, दौर भी अब बदल चुका है। उस वक्त कॉमनमैन सिस्टम में पिसता था और हार जाता था। आज की जनरेशन वैसी नहीं है।' निर्देशक उमेश आगे कहते हैं, 'अचानक मेरे दिमाग में आया कि 'ऑफिस ऑफिस चली मुसद्दी की बेटी'बनाया जा सकता है। वो बेचारा कॉमन मैन था, जो सिस्टम में पिस जाता था। लेकिन आज की लड़की अलग है। यहां वो पहले हारेगी जरूर, लेकिन फिर बाजी पलटेगी। आज की जनरेशन सवाल पूछती है, लड़ती है, वीडियो बनाती है। आज अगर किसी का काम नहीं होता तो वो पहले रील बनाता है, सोशल मीडिया पर वीडियो डालता है। सोशल मीडिया पर डालते ही सिस्टम हरकत में आ जाता है।

वसुधा ने मारी बाजी, तुलसी व अनुपमा का सिंहासन डोला

नई दिल्ली। टीआरपी लिस्ट में पिछले कुछ हफ्तों से बड़ा उल्टफेर हो रहा है। क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2 और अनुपमा जैसे सीरियल्स को नए शोज टक्कर दे रहे हैं। 20वें हफ्ते में वसुधा सीरियल को 1.9 टीआरपी मिली है। जबकि इस सीरियल ने 19वें हफ्ते की टीआरपी लिस्ट में 1.8 टीआरपी हासिल की थी। पिछले हफ्ते और इस हफ्ते यह सीरियल टॉप पर जगह बनाने में कामयाब रहा है। दूसरे नंबर पर गंगा माई की बेटियां है। इसे 1.7 की टीआरपी मिली है। 19वें हफ्ते में भी इसको इतनी ही टीआरपी मिली थी। जबकि स्मृति ईरानी के सीरियल 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2' को 20वें हफ्ते में 1.7 की टीआरपी मिली है। यह सीरियल इस बार तीसरे नंबर है। इस सीरियल को 19वें हफ्ते में 1.6 की रेटिंग मिली थी। शरद केलकर का सीरियल 'तुम से तुम तक'दर्शकों को पसंद आ रहा है।

42 साल पुराने गाने में लहूलुहान हुए थे अमिताभ, आशा और किशोर ने दी थी आवाज

नई दिल्ली। हिंदी सिनेमा में अच्छे गानों की फेहरिस्त में ऐसे कई गाने हैं जिनको दो सबसे दिग्गज गायकों ने आवाज दी। इन गायकों की जोड़ी ने ऐसे कल्ट गाने दिए जो आज भी खूब सुने जाते हैं। आज हम उस गायक जोड़ी का एक ऐसा गाना सुनाने जा रहे हैं, जिस पर आज भी लोग जमकर थिरकते हैं। दरअसल जिस गाने की हम बात कर रहे हैं वो गाना है 1984 में आई फिल्म 'शराबी' का और वो गाना है 'मुझे नौलखा मंगा दे रे ओ सैयां दीवाने' । इस गाने को सुनने वाले आज भी उतने ही चाव से सुनते हैं। गाना जब भी बजता है, लोगों के पैर अपने ही थिरकने लगते हैं। इस गाने में अमिताभ बच्चन और जया प्रदा ने खूब ठुमके लगाए थे। ये गाना आज भी सुपरिट है। यूं तो फिल्म शराबी के सभी गाने हिट हुए थे, लेकिन इस गाने ने अलग ही तहलका मचाया था। कहा जाता है कि महिलाएं अपने पति से इस गाने के बाद खूब हार मांगा करती थीं।

बप्पी लहिरी ने तैयार किया था संगीत

इस गाने को आशा भोसले ने अपनी आवाज दी थी तो वहीं किशोर कुमार ने भी गाने को गाया था। गाने में किशोर दा और आशा ताई की आवाज ऐसी बैठी कि ये गाना भी ब्लॉकबस्टर हो गया। आशा ताई और किशोर दा पहले ही कई हिट गाने दे चुके थे, ऐसे में ये गाना भी उनकी झोली में ही आया। इस गाने का संगीत बप्पी लहिरी ने तैयार किया था। वहीं गाने को अनजान ने लिखा था। हालांकि इस गाने की शूटिंग भी बेहद दिलचस्प रही थी।

चोट के बावजूद बिग बी ने की थी शूटिंग

इस गाने के दौरान दिलचस्प किस्सा यह है कि इसकी शूटिंग अमिताभ बच्चन ने चोटिल हाथ के साथ की थी। खुद इस बात का खुलासा एक बार जया प्रदा ने किया था। दरअसल रियलिटी शो 'सारेगामापा लिटिल चैम्प्स' में जब जया प्रदा आईं थी तो यहीं उन्होंने बताया था कि, 'आज भी मुझे अच्छे से याद है कि, जब हम नौलखा मंगा दे रे गाने की शूटिंग कर रहे थे तो अमित जी को दिवाली के दौरान हाथ में चोट लग गई थी। गाने के एक हिस्से में वह घुंघरू से खेल रहे हैं लेकिन क्योंकि वह दर्द में थे और पहले से ही चोटिल थे इसलिए हर बार जब वह सीन के लिए शूटिंग करते थे तो खून बहता था। इस सबके बाद भी वो आइस बॉक्स की मदद से हाथ आगे-पीछे करके शूटिंग करते रहे और फिर जाकर शूटिंग पूरी हुई। इस दौरान उनकी मेहनत और डेडिकेशन वाकई में कमाल था और मैंने भी उनसे बहुत कुछ सीखा था।फिल्म शराबी उन कल्ट फिल्मों में गिनी जाती है जो बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट रही थीं।

जैकी ने बीवी नंबर 1 के 27 साल पूरे होने का मनाया जश्न

मुंबई। बॉलीवुड की मशहूर कॉमेडी फिल्म 'बीवी नंबर 1' को रिलीज हुए 27 साल पूरे हो चुके हैं। इस मौके पर फिल्ममेकर जैकी भगनानी ने फिल्म की यादें ताजा करते हुए सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने सलमान खान, करिश्मा कपूर, सुष्मिता सेन, अनिल कपूर और तब्बू जैसे कलाकारों की तारीफ की। साथ ही अपने पिता वाशु भगनानी और डायरेक्टर डेविड धवन के साथ बिताए पुराने दिनों को याद किया। जैकी ने अपने बचपन के दिनों को याद करते हुए बताया कि कैसे वे फिल्म के सेट पर घूमा करते थे। उन्होंने देखा कि उनके पिता वाशु भगनानी और निर्देशक डेविड धवन मिलकर रूमी जाफरी की लिखी कहानी पर कितना शानदार काम करते थे और सेट पर एक अलग ही जादू बिखेर देते थे। जैकी ने लिखा सलमान खान की एनर्जी कमाल की थी। करिश्मा कपूर ने बहुत ही बेहतरीन एक्टिंग की थी। सुष्मिता सेन का अंदाज बेहद शालीन था। अनिल कपूर की कॉमेडी टाइमिंग लाजवाब थी। तब्बू का काम भी बहुत ग्रेसफुल था। उन्होंने आगे लिखा कि यह फिल्म किसी खजाने से कम नहीं है। जैकी ने सभी फैंस को धन्यवाद देते हुए कहा कि इतने साल से

इस फिल्म को लगातार प्यार देने के लिए आपका शुक्रिया। इसके साथ ही उन्होंने फिल्म 'बीवी नंबर 1' के 27 साल पूरे होने का जश्न मनाया। 'बीवी नंबर 1' पूजा नाम की एक साधारण घरेलू महिला की कहानी है। वह अपने पति प्रेम और दो बच्चों के साथ खुशी-खुशी रहती है। लेकिन ट्विस्ट तब आता है जब उसका पति उसे छोड़कर रूपाली नाम की एक खूबसूरत मॉडल के पास चला जाता है। इसके बाद, अपने पति को वापस पाने और उसका ध्यान खींचने के लिए पूजा अपना पूरा लुक बदल लेती है।

रेलवे प्लेटफॉर्म से ऑस्कर तक, एक्टर बनकर निर्माता-निर्देशक बने

घर से भाग मुंबई आया 16 साल का लड़का, जिसने भारतीय सिनेमा को दी अमर पहचान

नई दिल्ली। एक 16 साल का लड़का आंखों में फिल्मों का सपना, जेब में ज्यादा पैसे नहीं और दिल में बस मुंबई पहुंचने की जिद। परिवार चाहता था कि वह जिम्मेदारियां समझे, लेकिन उसे तो पर्दे की चमक अपनी ओर खींच रही थी। फिल्मों का ऐसा जुनून कि चोरी-छिपे ट्रेन पकड़कर शहर-शहर सिनेमा देखने निकल पड़ता था। जब घरवालों को पता चला तो डांट भी पड़ी, पिटाई भी हुई और वापस गांव ले जाया गया, लेकिन सपने कहां रुकने वाले थे। मुंबई पहुंचने के बाद उसने रेलवे प्लेटफॉर्म पर रातें बिताईं, स्टूडियो के बाहर घंटों खड़ा रहा और छोटे-छोटे रोल करते हुए संघर्ष जारी रखा. धीरे-धीरे यही लड़का कैमरे के पीछे ऐसा जादू रचेगा, जो भारतीय सिनेमा को दुनिया भर में नई पहचान दिलाएगा। उसकी बनाई एक फिल्म ऑस्कर तक पहुंची और आज भी भारतीय सिनेमा की सबसे महान फिल्मों में गिनी जाती है। भारतीय सिनेमा जगत को यादगार और कभी पुरानी न होने वाली मदर इंडिया जैसी फिल्में देने वाले निर्माता-निर्देशक महबूब खान की जिंदगी किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं थी। बचपन में फिल्मों का ऐसा जुनून था कि वह रोज ट्रेन पकड़कर आसपास के शहरों के साथ ही मुंबई तक फिल्में देखने चले जाते थे। एक दिन जब परिवार को उनके मुंबई भागने की भनक लगी, तो पिता ने उन्हें पकड़कर डांटा, पिटाई की और वापस गांव ले आए।

जब मजबूत होता गया अभिनेता बनने का सपना

हालांकि, फिल्मों के प्रति उनका प्यार कभी कम नहीं हु। यही लड़का आगे चलकर 'मदर इंडिया'जैसी ऐतिहासिक फिल्म बनाने वाला दिग्गज निर्देशक बना. महबूब खान का जन्म 9 सितंबर 1907 को गुजरात के बड़ौदा के पास स्थित सरार गांव में हुआ था। उनका परिवार बेहद साधारण था और आर्थिक स्थिति भी मजबूत नहीं थी। बचपन से ही उन्हें फिल्मों और अभिनय का शौक था। वह चोरी-छिपे ट्रेन में बैठकर आसपास के कस्बों और शहरों में फिल्में देखने चले जाते थे और फिर घर लौट आते थे। धीरे-धीरे उनके मन में अभिनेता बनने का सपना मजबूत होता गया।

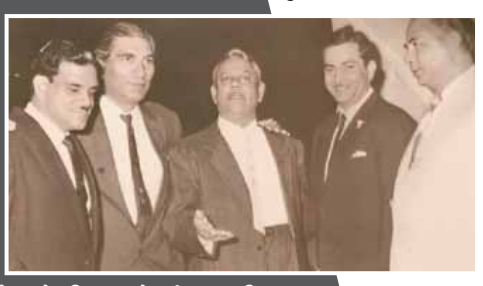

जब समझ आया अभिनय नहीं निर्देशन और कहानी में है रुचि

शुरुआत में महबूब खान ने बतौर जूनियर आर्टिस्ट और सपोर्टिंग एक्टर काम किया, लेकिन जल्द ही उन्हें समझ आ गया कि अभिनय से ज्यादा उनकी रुचि निर्देशन और कहानी लिखने में है। उन्होंने अपनी कहानी लिखनी शुरू की और कई प्रोड्यूसर्स के पास गए। शुरुआत में उन्हें निराशा हाथ लगी, लेकिन साल 1935 में उनकी पहली निर्देशित फिल्म अल हिलाल रिलीज हुई, जिसने उन्हें पहचान दिलाई।

महिला किरदारों को मिलती थी खास जगह

इसके बाद उन्होंने डेक्कन क्वीन, औरत, रोटी, अनमोल घड़ी, अंदाज, आन और अमर जैसी कई सफल फिल्मों का निर्देशन किया। उनकी फिल्मों में मजबूत महिला किरदारों को खास जगह मिलती थी। यही वजह है कि उन्हें अपने समय का प्रगतिशील और संवेदनशील फिल्मकार माना जाता है। साल 1952 में उन्होंने मुंबई के बांद्रा इलाके में महबूब स्टूडियो की स्थापना की, जो उस दौर का आधुनिक फिल्म स्टूडियो माना जाता था।

रेलवे गार्ड से दोस्ती कर जब पहुंचे मुंबई

कहा जाता है कि उनकी दोस्ती एक रेलवे गार्ड से हो गई थी। उस गार्ड ने उन्हें मुंबई जाकर फिल्मों में किस्मत आजमाने की सलाह दी. महज 16 साल की उम्र में महबूब खान घर छोड़कर मुंबई पहुंच गए। हालांकि, उनके पिता को इसकी जानकारी मिल गई। वह मुंबई पहुंचे, बेटे को ढूंढा और वापस गांव ले आए। परिवार ने उनकी शादी भी कर दी ताकि उनका ध्यान फिल्मों से हट जाए, लेकिन महबूब खान के भीतर का सपना खत्म नहीं हुआ। कुछ समय बाद वह फिर मुंबई पहुंचे। शुरुआती दिनों में उन्होंने काफी संघर्ष किया।वह मुंबई के वीटी स्टेशन के पास स्थित ज्योति स्टूडियो के बाहर घंटों खड़े रहते थे, ताकि किसी तरह फिल्मों में काम मिल सके। कई रातें उन्होंने रेलवे प्लेटफॉर्म पर बिताईं। आखिरकार उनकी मुलाकात फिल्मकार अर्देशिर ईरानी से हुई, जिन्होंने उन्हें फिल्मों में छोटे-छोटे रोल दिए। यहीं से उनकी फिल्मी यात्रा शुरू हुई।

ऑस्कर में गई थी महबूब खान की ये फिल्म

महबूब खान के कॅरियर की सबसे बड़ी उपलब्धि 1957 में आई फिल्म मदर इंडिया मानी जाती है। नरगिस, सुनील दत्त और राजेंद्र कुमार अभिनीत इस फिल्म ने भारतीय सिनेमा को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई। यह फिल्म ऑस्कर अवॉर्ड्स के लिए भी नामांकित हुई थी। मदर इंडिया को आज भी भारतीय सिनेमा की सबसे महान फिल्मों में गिना जाता है। 28 मई 1964 को महज 56 साल की उम्र में महबूब खान का निधन हो गया।